>

Title: Regarding nomenclature of Lal Bahadur Shashtri Airport in banaras, Uttar Pradesh.

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार के संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि बनारस एयरपोर्ट इस देश का बहुत महत्वपूर्ण एयरपोर्ट है। बनारस इस देश की सांस्कृतिक राजधानी कही जाती है और तमाम विश्वविद्यालय वहाँ पर हैं। दुनिया के कोने-कोने से लोग बनारस आते हैं। ...(व्यवधान) मैंने बता दिया कि बनारस एक सांस्कृतिक केन्द्र है। पाँच यूनिवर्सिटी वहाँ पर हैं और दुनिया के तमाम टूरिस्ट वहाँ पर आते हैं। आज सुबह मैंने दैनिक जागरण अखबार में देखा कि इस देश में कुछ राजनेताओं के नाम पर और उनके पूर्वजों के नाम पर 450 नामकरण हैं और उनके नाम की इतनी योजनाएँ चल रही हैं। लेकिन दुर्भाग्य है कि लाल बहादुर शास्त्री जो इस देश के प्रधान मंत्री थे, जिन्होंने एक उदाहरण प्रस्तुत किया था और इस देश में रेल मंत्री रहते हुए जिन्होंने एक दुर्घटना को लेकर अपने पद से त्यागपत्र दे दिया, उनके नाम पर एक एयरपोर्ट का नाम है, इस बात का लोगों को भी पता नहीं है। जिन्होंने इस देश में जय जवान, जय किसान का नारा दिया, गरीब परिवार में पैदा होकर प्रधान मंत्री के पद तक पहुँचने वाले उस लाल बहादुर शास्त्री के नाम पर महज़ एक बनारस के एयरपोर्ट का नाम है। उस एयरपोर्ट का नाम लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट है, यह हम तब सुन पाते हैं जब जहाज़ लैन्ड करने वाला होता है और एयर होस्टैस बताती है कि लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर जहाज़ उतरने वाला है। सभापति महोदय, पूरे देश में हम उदाहरण के रूप में देख सकते हैं, चाहे हम चेन्नई. कोलकाता या कहीं भी जाएँ, एयरपोर्ट का नाम बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा रहता है, लेकिन दुर्भाग्य है कि वे लाल बहादुर शास्त्री, जिन्होंने देश के सामने नैतिकता का उदाहरण प्रस्तुत किया, आज उनके नाम पर जिस एयरपोर्ट का नाम है, वह इतना लंबा और बड़ा एयरपोर्ट है, जहाँ दुनिया के कई स्थानों से फ्लाइट्स आती हैं, लेकिन उसके एक कोने में एल.बी.एस. एयरपोर्ट लिखा हुआ है। लोगों को उसका मतलब ही पता नहीं लगता कि क्या है।

अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि सरकार को निर्देश दें कि उस एयरपोर्ट का पूरा नाम लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट लिखा जाए। इसी के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।